भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
28.07.2021 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1520 का उत्तर

उत्तर पूर्व क्षेत्र में रेल परियोजनाएं

1520. श्री रेबती त्रिपुरा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर पूर्व क्षेत्र में अब तक अधूरी पड़ी रेल परियोजनाओं की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त रेल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए एनईआर को कुल कितनी निधियां आवंटित की गई हैं;

(ग) क्या सरकार की एनईआर की बढ़ी हुई रेल अवसंरचना संबंधी आवश्यकता के कारण उसे आवंटित की गई निधियों में वृद्धि करने की योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

उत्तर पूर्व क्षेत्र में रेल परियोजनाओं के संबंध में 28.07.2021 को लोक सभा में श्री रेबती त्रिपुरा के अतारांकित प्रश्न सं. 1520 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) रेल परियोजनाओं को क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत और शुरू किया जाता है न कि राज्य-वार या क्षेत्र-वार क्योंकि भारतीय रेल का नेटवर्क विभिन्न राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है।

01.04.2021 की स्थिति के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली 2,011 किमी लंबाई वाली, जिनकी लागत 74,485 करोड़ रु है, 20 परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरण के तहत हैं, जिनमें से 321 किमी को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2021 तक 26,874 करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं-

- **56,553 करोड़ रु. की लागत पर 1181 किमी की लंबाई को कवर करने के लिए 14 नई लाइन परियोजनाएं, जिसमें से 253 किमी लंबाई को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2021 तक 23,994 करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है।**
- **17,932 करोड़ रु की लागत पर 830 किमी की लंबाई को कवर करने के लिए 6 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिसमें से 68 किमी लंबाई को चालू कर दिया गया है और मार्च, 2021 तक 2,880 करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है।**

2014-21 के दौरान, पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली 1356 किमी की परियोजनाएं (270 किमी नई लाइन, 972 किमी आमान परिवर्तन और 114 किमी दोहरीकरण) 193.71 किमी/प्रतिवर्ष की औसत दर पर चालू कर दिया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत चालू करने की दर (66.6किमी/प्रतिवर्ष) से 94% अधिक है।

(ख) से (घ): वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए, पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्ण/आंशिक रुप से पड़ने वाली अवसंरचना और संरक्षा कार्यों के लिए कुल 6,913 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय (2,122 करोड़ प्रतिवर्ष) की तुलना में 226% अधिक है। 2014-19 के दौरान इन परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन को 2019-14 के दौरान 2,122 करोड़ प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 5,531 करोड़ प्रतिवर्ष कर दिया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 161% अधिक है और वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए इन परियोजनाओं के लिए 4,669 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 120% अधिक है।

निधि का आबंटन परियोजना-वार वार्षिक आधार पर किया जाता है जो निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन कार्य की प्रगति को देखते हुए क्षेत्रीय रेलों द्वारा प्रक्षेपित आवश्यकताओं पर आधारित होता है।

*****